Q. वैयक्तिक भिन्नताओं से क्या समझते हैं। इसकी परिभाषाओं का वर्णन करते हुए इसके प्रमुख आधारों का वर्णन करें।

Ans → Introduction :-

सभी बच्चे एक जैसे न होकर वे विभिन्न प्रकार के होते हैं। यह भिन्नताएँ अनेक कारकों से होता है। बच्चों में शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक आदि कई प्रकार के भेद पाये जाते हैं। हमारे विकास में कुछ-न-कुछ समानता के तत्व भी होते हैं लेकिन इसके साथ ही साथ कुछ अंतर भी होते हैं। शारीरिक रचना और सामाजिक व्यवस्था के कारण एक व्यक्ति दूसरे से भिन्न होता है। हर व्यक्ति के अपने कुछ स्वयं के गुण होते हैं जिसे वैयक्तिक अंतर कहा जाता है। वैयक्तिक भेदों का सबसे पहले अध्ययन गॉल्टन ने किया था। इसके पश्चात ही इस विषय पर अनेक अनुसंधान भी हुए हैं। जिसके आधार पर ही शिक्षा की नई-नई प्रणालियों का विकास किया गया है। यह व्यक्तिगत अंतर अध्यापक के लिए अनेक समस्याएँ उत्पन्न करता है लेकिन समाज और व्यक्ति की दृष्टि से ये महत्वपूर्ण हैं। आज के इस वैज्ञानिक युग में हमें विशिष्ट योग्यता वाले व्यक्तियों की आवश्यकता है तो समाज के विकास में योगदान दे सके। वैयक्तिक भेदों के

मापन से बच्चों की व्यक्तिगत योग्यताओं को जानकर उनका उचित विकास किया जा सकता है।

इसके निम्नांकित परिभाषाएँ हैं जो इस प्रकार है।

1. स्किनर के अनुसार ↦

मापन किया द्वारा जाने वाला व्यक्तित्व का प्रत्येक पहलू, वैयक्तिक भिन्नता का अंक है।

2. टायलर के अनुसार ↦

शरीर के आकार और रूप, शारीरिक कार्य, गति की क्षमताओं, बुद्धि, उपलब्धि, ज्ञान, रुचियों, अभिवृत्तियों और व्यक्तित्व के लक्षणों में मापी जाने वाली भिन्नताओं का महत्व सिद्ध हो चुका है।

3. जेम्स ड्रेवर के अनुसार ↦

औसतन समूह से मानसिक, शारीरिक विशेषताओं के संदर्भ में समूह के सदस्य के रूप में भिन्नता या अंतर को ही वैयक्तिक भेद कहते हैं।

वैयक्तिक भेद के आधार ↦

उच्च और जटिल प्रक्रियाओं में मानवीय भिन्नताओं का प्रमाण ज्ञान तथा बुद्धि की परिभाषाओं में अंतर और कठिनाई के बावजूद परिणाम विस्तार और वैधता की दृष्टि से काफी बढ़ गया है। वैयक्तिक भेद का सिर्फ एक आधार नहीं है बल्कि अनेक आधार हो सकते हैं जो निम्नांकित है।

Scanned with CamScanner

1. शारीरिक (Physical) :→

सभी व्यक्तियों में शरीर की रचना की दृष्टि से भेद होता है। कुछ लोग गोरे होते हैं तो कुछ सांवले, कुछ लंबे तो कुछ छोटे, मोटे, दुबले आदि सभी प्रकार के होते हैं। एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों में कुछ बच्चे कमजोर होते हैं और कुछ अच्छे स्वास्थ्य वाले होते हैं।

2. मानसिक (Mental) :→

बुद्धि परीक्षण से यह सिद्ध हो चुका है कि बच्चों में मानसिक अंतर पाया जाता है। एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों में मानसिक दृष्टि से भेद पाया जाता है। जैसे → कुछ मंद बुद्धि के होते हैं तो कुछ तीव्र बुद्धि के और कुछ बच्चे तो बहुत ही प्रखर बुद्धि वाले होते हैं।

3. रुचि (Interest) :→

लड़के और लड़कियों की रुचि में तो अंतर होता ही है लेकिन लड़कों की आपसी रुचि में भी अंतर पाया जाता है। पढ़ने, लिखने, खेलने, कपड़े पहनने आदि में सभी बच्चों की रुचियाँ भिन्न होती है। रुचि में विभिन्नता के कारण बच्चों के व्यक्तित्व का पता चलता है।

4. अधिगम (Learning) :→

किसी भी कार्य को सीखने में कुछ बच्चे बहुत ही तेज होते हैं और कुछ मंद होते हैं।

Scanned with CamScanner

तीव्र बच्चों को शिक्षा देते समय थोड़ी सी सहायता देना ही पर्याप्त होता है। ऐसे बच्चे किसी बात को सीखने के पश्चात उसे सदैव के लिए अपना लेते हैं। लेकिन मंद बुद्धि बच्चों को शिक्षा देते समय अध्यापकों को भी बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

5. व्यक्तित्व (Personality) :-

दो व्यक्ति एक समान योग्यता रखते हुए भी अपने व्यवहार के स्तर पर अलग होते हैं। कोई व्यक्ति रूढ़िवादी होते हैं तो कोई आधुनिकतावादी होते हैं। कोई बेईमान होते हैं तो कोई ईमानदार और कुछ लोग तो सामाजिक कार्यों में भी रुचि लेते हैं तो कुछ लोग रुचि नहीं भी लेते हैं। इस प्रकार ये सभी अंतर व्यक्तित्व के अंतर्गत आते हैं।

6. स्वभाव (Temperament) :-

कुछ बच्चे प्रसन्नचित और प्रफुल्लित रहते हैं और कुछ बच्चे सदा चिड़चिड़े से दिखलाई पड़ते हैं। अतः स्वभाव के कारण भी व्यक्तिगत अंतर पाया जाता है। इस तरह स्वभाव की भिन्नता का बच्चों की रुचि, अभिरुचि और क्षमता आदि पर भी प्रभाव पड़ता है।

7. विशिष्ट योग्यताएं और अयोग्यताएं (Special Abilities and Disabilities) :-

हर विषय में एक समान योग्यता कम ही बच्चों में होती है। यह आवश्यक नहीं है कि जो बच्चे अंग्रेजी में तेज है वह गणित में भी उतना ही तेज होगा। इस आधार पर अच्छे, मध्यम और पिछड़े बच्चों का वर्गीकरण करना उचित नहीं होगा।

Scanned with CamScanner